ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 18-07-2025

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-07-18 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-07-19	2025-07-20	2025-07-21	2025-07-22	2025-07-23
वर्षा (मिमी)	6.0	4.0	15.0	40.0	25.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	29.0	29.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	21.0	21.0	20.0	20.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	85	91	94	92
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	75	81	84	82
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	3	2	5	1
पवन दिशा (डिग्री)	72	83	360	135	146
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	7	8	8	8
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	भारी वर्षा	बहुत भारी बारिश	बहुत भारी बारिश

पूर्वानुमान सारांश:

अगले पाँच दिनों तक मौसम परिवर्तनशील रहेगा। 19 से 22 जुलाई, 2025 तक जिले के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.0-29.0ºC और 20.0-21.0ºC के बीच रहेगा। हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा में 1.3-4.6 किमी प्रति घंटा रहेगी। सापेक्ष आर्द्रता 75-94 प्रतिशत के बीच रहेगी।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

 20 जुलाई, 2025 को भारी वर्षा तथा 21 और 22 जुलाई, 2025 को जिले के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

 आर्द्रता में वृद्धि और पत्तियों के लंबे समय तक गीले रहने की स्थिति फफूंद और जीवाणु रोगों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करती है, जिससे जड़ सड़न, झुलसा रोग तथा पत्तों पर धब्बे पड़ने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पौधों को उचित सहारा (स्टेकिंग) दें। खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।

सामान्य सलाहकार:

 किसानों को सलाह दी जाती है कि वे भारी वर्षा के दौरान नदियों, नालों से दूर रहें, क्योंकि भारी वर्षा होने से जल स्तर अचानक बढ़ सकता है। भूस्खलन/फिसलन के जोखिम को कम करने के लिए उचित जल निकासी चैनल

और घास वाले जलमार्गों के माध्यम से अतिरिक्त पानी को मोड़ने की उचित व्यवस्था करें। □ खेतों से मेड़ों पर उगे खरपतवार और झाड़ियों को हटाकर वायु संचार में सुधार करें। □ रोग के प्रसार को रोकने के लिए संक्रमित फलों और टहनियों की तोड़ाई करें (मिट्टी में दबा दें)। □ वृक्षारोपण कार्य शुरू करने का सही समय है।

लघु संदेश सलाहकार:

□ स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत ऐप का उपयोग करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	□ किसानों को सेब की फसल में स्कैब (झुलसा रोग) और अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट जैसे रोगों की निगरानी करें क्यूँकि नमी में वृद्धि के कारण रोगों का प्रकोप बढ़ सकता है (सापेक्ष आर्द्रता 75-95% तक बढ़ गई है)। □ लगातार बादल छाए रहने और उच्च आर्द्रता को देखते हुए, छिड़काव से बचें। बागों को खरपतवारों और झाड़ियों को हटाकर वायु संचार में सुधार करें।
खीरा	□ किसानों को बेलों को सहारा देने और खेतों में उचित जल निकासी नालियाँ बनाने की सलाह दी जाती है। □ फलों को मिट्टी के सीधे संपर्क से बचाएँ ।
टमाटर	□ परिपक्व फलों की समय पर तोड़ाई करें । □ किसानों को मिट्टी से फैलने वाले रोगों के खतरे को कम करने के लिए पौधों की निचली 10–15 सेंटीमीटर तक की पत्तियों को हटाने की सलाह दी जाती है। □ किसानों को खेत में उचित जल निकासी नालियाँ बनाने की सलाह दी जाती है। □ किसानों को खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करने की सलाह दी जाती है। □ फसल में बकआई रॉट एवं झुलसा रोग की नियमित निगरानी करें। रोगग्रस्त पौधों अथवा उनके भागों को तुरंत खेत से निकालकर गहराई में दबा दें, ताकि रोग का प्रसार रोका जा सके। □ फल छेदक कीट को नियंत्रित करने के लिए, संक्रमित फलों को नियमित रूप से हाथ से तोड़ कर उनका उचित निपटान करें ।
शिमला मिर्च	□ परिपक्व फलों की समय पर तोड़ाई करें । □ फसल में सर्कोस्पोरा लीफ स्पॉट (जिसमें पत्तियों पर सफेद केंद्र के साथ लाल-भूरे किनारे बनते हैं) रोग की निगरानी करें। □ खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें तथा रोगग्रस्त पत्तियों को तुरंत हटाकर दबा दें, ताकि रोग का प्रसार रोका जा सके।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	□ किसानों को सलाह दी जाती है कि मानसून के साथ होने वाली खुरपका-मुंहपका (एफ.एम.डी.) और ब्लैक क्वार्टर (बी.क्यू.) जैसी बीमारियों से पशुओं को बचाने के लिए समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	□ मौसम और मिट्टी की स्थिति वृक्षारोपण के लिए अनुकूल है।
पौध - संरक्षण	□ पौधों के चारों ओर जैविक मल्च (सूखी पत्तियों) का उपयोग करें ताकि मिट्टी में नमी बनी रहे और खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सके। मल्च पानी के सतही बहाव को भी धीमा करता है। □ प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को कीट-प्रकोप नियंत्रण हेतु साफ मौसम में साप्ताहिक अंतराल पर अग्नास्त्र, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का 3.0 प्रतिशत घोल का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। इसके साथ ही जीवामृत का 10.0 प्रतिशत घोल का नियमित अंतराल पर छिड़काव करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

□ खेतों में जलभराव, मृदा कटाव, फफूंद जनित रोगों का प्रकोप बढ़ने तथा खड़ी फसलों के गिरने की संभावना है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें। भारी वर्षा की स्थिति में अधिक पानी की सुरक्षित निकासी के लिए खेत में घासयुक्त जल निकासी मार्ग (ग्रास वाटरवे) बनाए । □ भारी वर्षा की स्थिति में नदी, नालों के पास जाने से बचें।

Farmers are advised to download Unified ﷺMausamﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details